PHARMA NEWS

घर पर रहें सुरक्षित रहें.

Editor- Brijesh Kumar Garg www.medicaldarpan.com Monthly News Paper

B.N. Medical Complex, Bulandshahr (U.P.) Postal Reg. No. BSR 37/2018-2020 RNI UPBIL/2007/27003

Year 13 | Issue 11 | D.O.P. 10 June 2020 | Pages 08 | ₹10/- Per Copy | 09410434811, medicaldarpan.ctp@gmail.com

एंटीवायरल रेमडेसिविर की जरूरत ने मुंबई में काला बाजारी को दिया बढ़ावा?

मुंबई में कोविड-19 के उपचार के दौरान निर्धारित एंटीवायरल रेमडेसिविर के लिए काला बाजारी को बढ़ावा मिल गया है. दरअसल, कुछ डॉक्टरों ने संकेत दिया है कि रेमडेसिविर दवा की कमी के कारण अवैध रूप से इसकी सही कीमत से इसे पांच गुना करके अधिक कीमत पर बेचा जा रहा है. बता दें की, कई निजी अस्पतालों ने ये दवा निर्धारित की है, और रोगियों के रिश्तेदारों से इसे खरीदने के लिए कहा है. क्या आप जानते हैं कि कुछ डॉक्टर यह कहते हुए रिकॉर्ड पर नहीं आना चाहते थे कि यह केवल हल्के से मध्यम गंभीर परिस्थितियों वाले रोगियों के लिए उपयोगी था. अमेरिका के गिलियड साइंसेज से लाइसेंस के तहत भारत में ड्रग की बिक्री करने वाले हेटेरो लैब्स और सिप्ला द्वारा वसूले गए 5,400 रुपये के मुकाबले रेमडेसिविर की ब्लैक मार्केट में कीमत 14,000-28,000 रुपये है। वहीं, इसके एक पाठ्यक्रम में पांच शीशियां शामिल हैं. मुंबई के एक निजी अस्पताल के एक डॉक्टर ने अपना नाम न छापने की शर्त पर ईटी से बात करने वाले एक डॉक्टर के हवाले से बताया, "मुझे यकीन नहीं है कि रेमडेसिविर के लिए यह एक मामला क्यों है, और अस्पताल इतने सारे मरीजों के रिश्तेदारों को इस दवा को खरीदने के लिए क्यों प्रेरित कर रहे हैं." डॉक्टर ने दावा किया है, "यह जीवनरक्षक दवा नहीं है, सामान्य विकल्प हैं, जो सस्ते हैं. मैं यहीं कहूंगा कि इस काला बाजारी की जांच होनी चाहिए. आप ये बताएं कि क्या इसे अंधाधुंध तरीके से धकेला जा रहा है?" बता दें कि, डॉक्टर ने आगे बताया कि वह एक ऐसे व्यक्ति के बारे में जानते हैं, जो 18,000 रुपये में एक शीशी बेच रहा है। साथ ही वह एक दिन में 250 शीशियां बेचने में कामयाब रहा है. वैसे, ईटी ने इस पर महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन वह टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं थे. इस बीच, ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखकर कहा है कि वे कालाबाजारी की शिकायतें मिलने के बाद रेमडेसिविर की बिक्री पर कड़ी निगरानी रखें. वैसे, मुंबई में म्युनि. सिपल कॉरपोरेशन द्वारा संचालित सायन हॉस्पिटल के पूर्व डीन डॉ. सुलेमान मर्चेंट ने कहा कि उन्होंने उन रोगियों के लिए रेमडेसिविर के अत्यधिक नुस्खे देखे हैं, जिन्हें शायद इसकी आवश्यकता भी नहीं है. डॉ मर्चेंट ने कहा, "मैं यह कहना चाह. ूंगा कि यह डॉक्टरों के बीच सहकर्मी के दबाव के कारण हो रहा है. वैसे, वह लोग रोगियों के रिश्तेदारों को दवाई का उपयोग करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, जिसके चलते यह दवा बनाई जा रही है. मैं Ivermectin + Doxycycline combination, या Dexamethasone का सुझाव दे रहा हूं, जो सस्ता है." क्या आप जानते हैं कि भारत में प्रतिबंधित आपातक. ालीन उपयोग के लिए स्वीकृत, शुरू में हेपेटाइटिस सी से लड़ने के लिए बनाई गई दवा थी, और फिर इबोला के खिलाफ असफल परीक्षण किया गया था. वहीं, यू. एस. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ द्वारा एक परीक्षण के प्रारंभिक आंकड़ों के बाद इसे अमेरिकी स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा अनुकूल रूप से देखा जाने लगा. कोविड-19 रोगियों में से कुछ की पुनर्प्राप्ति समय को कम करने में यह प्रभावी पाया गया. यूरोपीय संघ ने इसे कोविड-19 चिकित्सा के लिए सशर्त मंजूरी दे दी है.

NPPA ने निर्माताओं और आयातकों को दिया निर्देश, कहा- "पल्स ऑक्सीमीटर और ऑक्सीजन कंसंटेटर की MRP जमा करें।"

राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (NPPA) ने सभी निर्माताओं और आयातकों को निर्देश दिया है कि वे संबंधित उत्पादों के अधिकतम खुदरा मूल्य (maximum retail price (MRP) जमा करें। दरअसल, यह ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर (DPCO) & 2013 के पैरा 20 के तहत मूल्य की निगरानी करने के लिए किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अगले 12 महीनों के दौरान कोई भी निर्माता/आयातक MRP को दस प्रतिशत से अधिक न बढ़ा सकें. एक कार्यालय ज्ञापन (office memorandum (OM) के माध्यम से, सभी निर्माताओं, पल्स ऑक्सीमीटर और ऑक्सीजन सांद्रता के आयातकों को इस आदेश के जारी होने के 10 दिनों के भीतर निर्धारित प्रारूप में MRP विवरण प्रस्तुत करने के लिए DPCO - 2013 के पैरा 29 के तहत निर्देशित किया गया है. बता दें कि, उसी की एक सॉफ्ट कॉपी भी medicaldevices&nppa@gov-in पर भेजी जाएगी। फिलहाल, चिकित्सा उपकरणों के निर्माता/आयातक DPCO - 2013 के पैरा 20 के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने में विफल रहे हैं, जिसके प्रावधानों के उल्लंघन के लिए कार्रवाई शुरू की जा सकती है। जो DPCO - 2013 आवश्यक वस्तु (Essential Commodities (EC) Act) अधिनियम 1955 के आधार पर स्थित है. आर्डर में यह कहा गया है, "यह 31 मार्च, 2020 के गैजेट नोटिफिकेशन के संदर्भ में है, जिसमें यह अधिसूचित किया गया था कि 1 अप्रैल, 2020 से DPCO - 2013 के प्रावधानों के तहत जिन चिकित्सा उपकरणों को ड्रग्स के रूप में अधिसूचित किया गया है। वहीं, 1 अप्रैल, 2020 से एमआरपी पल्स ऑक्सिमीटर और ऑक्सीजन कंसंट्रैक्टर को एमआरपी की निगरानी डीपीसीओ -2013 के पैरा 20 के तहत की जाएगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई निर्माता और आयातक अगले 12 महीनों के दौरान एमआरपी को 10% से अधिक न बढ़ा सकें." बता दें कि, एनपीपीए ने पहले भी मेडिकल एन -95 मास्क के निर्माताओं और आयातकों को मेडिकल एन -95 मास्क की एमआरपी जमा करने का निर्देश दिया था। N-95 मास्क के निर्माताओं को भी भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) से अपेक्षित प्रमाणीकरण शीघ्र प्राप्त करने की सलाह दी गई। मेडिकल N-95 मास्क के प्रमुख निर्माताओं और आयातकों ने एमआरपी के 67% तक की कीमतें कम कर दी हैं (ऐसे निर्माताओं/आयातकों का विवरण भी एनपीपीए द्वारा साझा किया गया है. एमआरपी विवरण युक्त पूर्वोक्त प्रारूप की एक सॉफ्ट कॉपी को निम्नलिखित ईमेल आईडी-medicaldevices&nppa@gov-in पर भी ईमेल किया जाएगा. मूल्य नियंत्रण अनुपालन के अनुसार संशोधित एमआरपी पर एन -95 मास्क की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, एनपीपीए ने पहले एन -95 मास्क में चार प्रमुख (वीनस सेफ्टी एंड हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड, मैग्नम स्वास्थ्य और सुरक्षा, यश केयर लाइफ साइंसेज और जोसेफ लेस्ली एंड कंपनी) एन -95 मास्क निर्माताओं द्वारा मूल्य में कमी की सूची जारी की थी. राष्ट्रीय दवा मूल्य नियामक ने एन -95 मास्क के इन निर्माताओं द्वारा रिपोर्ट किए गए संशोधित एमआरपी को राज्य दवा नियंत्रकों (एसडीसी) के साथ भी साझा किया। वैसे सूची से संकेत मिलता है कि एन -95 मास्क के निर्माताओं ने अपने उत्पादों की लागत को कम कर दिया है। वहीं, कुछ ने 47 प्रतिशत तक भी, एनपीपीए द्वारा 21 मई, 2020 को एक सलाह जारी करने के बाद निर्माताओं को स्वेच्छा से कम कीमतों की सिफारिश की। एनपीपीए ने एन -95 मास्क के निर्माताओं, आयातकों, आपूर्तिकर्ताओं को गैर-सरकारी खरीद के लिए कीमतों में समानता बनाए रखने और उन्हें उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने के लिए भी कहा था.

Virtual Patient Experience Innovation Summit 2020

The Patient Experience Innovation Summit will be held on the 13th of July 2020, as a virtual webinar, giving attendees an opportunity to stay in touch with existing and potential clients, and colleagues in these pressing times. Considering the Covid-19 outbreak, and global postponements to networking conferences, we are beginning a new series of webinars on the Healthcare markets, building on our experience of market leaders worldwide running PX summits. **Attendees will hear from industry thought leaders on current most pressing issues, including on how to:** (1) Prepare forglobal health security – Getting ready for pandemics, (2) Keep patients happy when the house is full – Learnhow not to outweighs the prospect of financial and technical support, (3) Understand how Covid-19 is making the healthcare industry disrupt, (4) Embrace new forms of patient engagement and care delivery –Concierge Medicine, (5) Insight on how private hospitals arecoping a sharp drop in OP footfalls, elective surgeries, and medical tourism, (6) Uncover the benefits from increasing awareness about healthcare and more government focus for the industry. **Key speakers:** (1) David Thomas Boucher, Chief Business Transformation Officer – Bumrungrad International Hospital, (2) Joyce K. Nazario,Assistant Vice-President and Head for Patient Experience – St. Luke's Medical Center, (3) Miriam Brofman,Patient Services & Relations Director – Beijing United Family Hospital and Clinics (BJU), (4) Fazli Shuib Mohd,Head of Pharmacy – FV Hospital, (5) Prof. Dr. Laksono Trisnantoro, Head of Department of Health Policy and Management – Faculty of Medicine, Public Health and Nursing, Universitas Gadjah Mada.

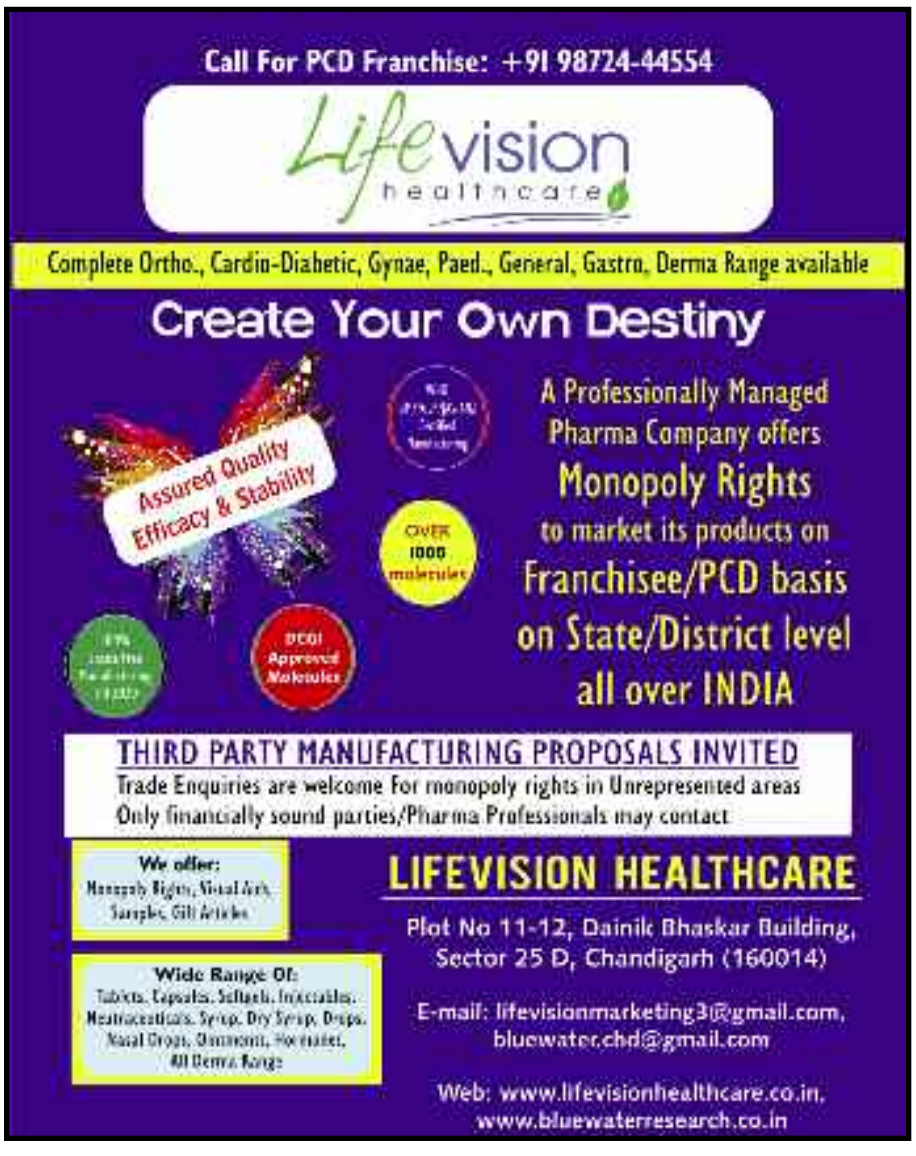

AISGPA ने अपने पेशे के दायरे से बाहर फार्मासिस्टों को कर्तव्य सौंपने के लिए कर्नाटक सरकार की आलोचना की!

अखिल भारतीय राज्य सरकार फार्मासिस्ट एसोसिएशन (AISGPA) के फार्मासिस्टों का उनके पेशे के दायरे से बाहर कार्य करना सरकार पर भारी पड़ गया है। दरअसल, वे अन्य असंबंधित असाइनमेंट के बीच तमाम क्रॉसिंग सीमाओं के तापमान को रिकॉर्ड करने के लिए चेक-पोस्ट पर काम कर रहे हैं. वहीं, एसोसिएशन ने अब कर्नाटक में ऑल डिस्ट्रिक्ट हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर ऑफिसर्स एसोसिएशन को सूचित किया है, जिसमें इस बात पर ध्यान दिया गया है कि फार्मासिस्टों को अप्रासंगिक कार्यों को सौंपा जा रहा है, जो फार्मेसी से संबंधित नहीं हैं. वहीं, खाली पदों (डीएचओ, जिला स्वास्थ्य कार्यालय, टीएचओ (तालुक स्वास्थ्य कार्यालय), वैक्सीन संस्थान, यूपीएचसी (शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) और सहायक स्वास्थ्य केंद्रों में स्वीकृत और गैर-अनुमोदित फार्मेसी अधिकारी पद) को भरने के लिए इन नौकरियों को आवंटित किया जाता है. अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. बी एस देसाई ने कहा कि फार्मेसी का विषय विशिष्ट है, जो सामान्य विषय नहीं है। फार्मासिस्ट संघ ने प्रस्तुत किया है कि फार्मेसी अधिनियम के माध्यम से संसद के भीतर एक फार्मासिस्ट की नौकरी को परिभाषित किया गया है, जो पाठ्यक्रम के अनुमोदन सहित सभी क्षेत्रों को पूरी तरह से कवर करता है. फार्मेसी एक्ट एक विशेष विषय से संबंधित है. एसोसिएशन ने कहा कि स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में एक फार्मासिस्ट की भूमिका महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे पेशे के प्रभारी न केवल सही दवा का वितरण कर रहे हैं, बल्कि मरीजों के बीच प्रकट होने वाली प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं पर डॉक्टरों को रिपोर्ट कर रहे हैं। विशेष रूप से COVID-19 के दौरान, अस्पतालों को रोगियों की बढ़ती संख्या के साथ चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, और फार्मासिस्टों को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि दवाओं को विशेष रूप से कुछ जिलों जैसे बागलकोट, वियापुरा, कालाबुरागी, रायचूर और यदगीर में सही तापमान पर संग्रहीत किया जाता है, जहां अत्यधिक तापमान और रेफ्रिजरेटर की कमी होती है। कहीं न कहीं सुविधाएं दवा की क्षमता को प्रभावित करती हैं. सरकारी आदेश के कार्यान्वयन पर कर्नाटक प्रशासनिक ट्रिब्यूनल के फैसले ने एक फार्मासिस्ट के लिए कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को निर्धारित करने के लिए दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। केएटी द्वारा निर्देशित, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव को सरकार के आदेश को लागू करने के लिए आवश्यक कदम उठाने होंगे. धारा 29, जो कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केएसपीसी) में फार्मासिस्टों के एक रजिस्टर की तैयारी से संबंधित है। फार्मेसी अधिनियम की धारा 42 के अनुसार, कोई व्यक्ति फार्मेसी के पेशे का अभ्यास नहीं कर सकता है, जब तक कि वह फार्मेसी अधिनियम के अनुसार फार्मासिस्ट के रूप में पंजीकृत न हो। बता दें कि, धारा 42 की उप-धारा 2 एक दंडात्मक प्रावधान है, जिसमें कहा गया है कि अगर कोई भी व्यक्ति पंजीकृत फार्मासिस्ट नहीं है, तो उसे धारा 42 की उपधारा (1) और धारा 42 के लिए कारावास से दंडित किया जाएगा (6 महीने तक का जुर्माना हो सकता है)। अपने पेशे से संबंधित कार्यों को न करने के लिए और फार्मासिस्टों को नियुक्त करने के सरकार के कदम का विरोध करते हुए, एसोसिएशन ने यह भी बताया कि फार्मेसी अधिकारियों का कार्य अन्य अप्रासंगिक सदस्यों द्वारा किया जाता है. वहीं, डॉ. देसाई ने कहा, "सार्वजनिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए, मैं आपको फार्मेसी के अधिकारियों को केवल फार्मासिस्ट से संबंधित काम सौंपने का अनुरोध करूंगा, क्योंकि हम सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए 24/7 सेवा करने के लिए तैयार हैं। बता दें कि हम अप्रासंगिक कार्यों नहीं करेंगे, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की सेवा करेंगे।" डॉ देसाई ने चैंटउंइप्र को बताया, "जिस तरह राज्य ने 1,105 COVID-19 मामलों की सूचना दी है, उनके मुताबिक उस राज्य में फार्मासिस्टों की कमी है। वर्तमान में, हमारे पास 1,000 की कमी वाले 3,081 फार्मासिस्ट हैं। राज्य सरकार ने इस साल की शुरुआत में 800 अभ्यर्थियों की भर्ती करने का फैसला किया है, जो नहीं हुआ है। अब COVID-19 महामारी के दौरान, इसने 493 पदों को मंजूरी दे दी, लेकिन इस पर कोई आधिकारिक आदेश नहीं है."

COVID-19 में सोशल डिस्टेंसिंग को बनाए रखने के लिए Marg ERP us 'My Shop QRID' को किया लॉन्च!

COVID-19 महामारी ने दुनिया भर के व्यवसायों को कैसे संचालित किया है, इसका पुनरुत्थान किया गया है। बता दें कि, खुदरा विक्रेता, वितरक, शॉप कीपर्स, आवश्यक कार्य कर रहे हैं, लेकिन छह फुट की सिफारिश की गई सोशल डिस्टेंसिंग दिशानिर्देशों को समायोजित करना और बनाए रखना काफी मुश्किल हो सकता है. इस खतरनाक स्थिति को देखते हुए, Marg ERP (P) Ltd- us COVID-19 के समय में खरीदार और विक्रेता के बीच सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए Marg ERP सॉफ्टवेयर में एक नई सुविधा शुरू की है। कुल मिलाकर, कंपनी का लक्ष्य 10 लाख पंजीकृत उपयोगकर्ताओं की मदद और सुरक्षित करना है, और यह विचार 5 करोड़ छोटे और मध्यम व्यवसायों की मदद कर सकता है। अगर देखा जाए तो यदि कोई मानता है कि 1 परिवार में 4 सदस्य हैं, तो यह इस नए नवाचार के साथ लगभग 20 करोड़ लोगों के लिए मायने रखता है. वैसे, अब यह समय अनलॉक है, और व्यापार, मॉल, बाजार फिर से खोल दिए गए हैं। हालांकि, COVID संक्रमण की संभावना और डर अधिक है, लेकिन कोई अर्थव्यवस्था को हमेशा के लिए बंद नहीं रख सकता है। कंपनी की नवीनतम नवीन सुविधा खरीदार और विक्रेता के बीच वास्तविक समय में सामाजिक दूरी प्रदान करती है। किसी को भी करीब आने और अनावश्यक रूप से बातचीत करने की आवश्यकता नहीं है। कहीं न कहीं यह बेहद संक्रमित होने की संभावनाओं को कम करता है. Marg ERP Ltd के CMD ठाकुर अनूप सिंह कहते हैं, ''असली चुनौती थोक बाजारों या भीड़-भाड़ वाले किराने और फार्मेसी की दुक.ानों से है; जब कोई ग्राहक किसी चीज को खरीदने के लिए दुकान में प्रवेश करता है, तो वह कई चीजों की कीमत, सौदे, स्कीम, छूट की पूछताछ करता है। साथ ही बिलिंग करते समय पर भी, ग्राहक अपने CORONA स्टेटस को जाने बिना एक कतार में अजनबियों के साथ घुलने-मिलने लगता है। अगर देखा जाए तो न केवल खरीदार, बल्कि विक्रेता की भी कुछ वास्तविक समस्याएं हैं, जैसे वह एक बार में सभी प्रश्नों को संभाल नहीं सकता है। कहीं न कहीं ग्राहक को खोने की इससे संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इसके अलावा, अधिक इंटरैक्शन का मतलब संक्रमित होने की अधिक संभावना है.'' ठाकुर अनूप सिंह आगे कहते हैं, ''सब कुछ सुरक्षित और आसान बनाने के लिए, Marg ERP ने अपने सॉफ्टवेयर में एक नया फीचर विकसित किया है, जिसे 'My Shop QRID' कहा जाता है। बता दें कि, ये उन वितरकों और दुकानदारों के लिए है, जो वितरक थोक बाजारों में काम करते हैं और जिन दुकानदारों की दुकानों में भीड़ ज्यादा रहती है। वहीं, 'My Shop QRID' पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाता है। साथ ही यह संपर्क मुक्त और सुरक्षित हो जाता है। कहीं न कहीं दुक.ानों पर QR code आधारित समाधान ग्राहकों के विश्वास को भी वापस पाने में मदद कर सकता है. 'My Shop QR Code' ग्राहकों के लिए QR Code को स्कैन करके उन्हें सोशल डिस्टेन्सइंग बनाये रखने के आदेश के साथ प्रोत्साहित करता है, जैसे ही ग्राहक आदेश उत्पन्न करता है, उसे तुरंत टोकन नंबर मिलता है। जब दुकानदार Marg Erp संख्या में टोकन नंबर दर्ज करता है, तो यह आदेश अपने आप शामिल हो जाता है.'' QR Code **के कुछ अन्य लाभ हैं:** • प्रतीक्षा क्षेत्र में विजिटर्स की संख्या को नियंत्रित किया जा सकता है। • करीबी बातचीत से बचा जा सकता है। • प्रतीक्षा समय बहुत कम हो जाएगा। • विजिटर्स के प्रवाह का प्रबंधन करना आसान हो जाएगा। • ऑर्डरिंग से बिलिंग तक की पूरी प्रक्रिया बहुत आसान, तेज और भौतिक गड़बड़ी को बनाए रखते हुए पूरी की जा सकेंगी। **इसे कैसे उपयोग करें:** वित.

रकों और खुदरा विक्रेताओं को केवल सॉफ्टवेयर से QR code प्रिंट करना होगा, और इसे दुकान/काउंटर के बाहर पेस्ट करना होगा। वहीं, डिस्ट्रीब्यूटर्स और रिटेलर्स यह चुन सकते हैं कि ग्राहकों के मोबाइल पर उन्हें कौन से डेटा और ऑफर्स की जरूरत है। इसका मतलब है कि वे स्थिति के अनुसार रणनीतिक रूप से ऑफर और सौदों की योजना बना सकते हैं. **Marg ERP software के बारे में:** Marg ERP भारत में इन्वेंट्री और अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर में अग्रणी है. कंपनी के एक लाख से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं. वहीं, यह 2,50,000 से अधिक SME@MSMEs को पूरा करता है। साथ ही इसने फार्मा उद्योग और FMCG उद्योग के 60% संरचित और गैर-संरचित बाजार पर कब्जा कर लिया है. कंपनी के ग्राहक प्रोफाइल में SME@MSME, खुदरा विक्रेता, वितरक और निर्माता शामिल हैं. वैसे, Marg Erp Limited के पास 700 से अधिक लोगों की एक टीम है, जो ग्राहक.ों के लिए नए और अभिनव सॉफ्टवेयर उत्पादों और समाधानों का निर्माण कर रही है। बता दें कि, कंपनी 28 विदेशी बाजारों में अंतर्राष्ट्रीय पहुंच के साथ देश भर में 700 से अधिक जिलों में उपस्थिति है. Marg ERP Limited एक्सक्लूसिव चौनल भागीदारों के साथ काम करता है, जो आगे हमारे सॉफ्टवेयर उत्पादों और ग्राहकों को समाधान प्रदान करते हैं. Marg वर्तमान में 900+ सक्रिय भागीदारों के साथ काम कर रहा है. Marg ERP software इन्वेंटरी, प्रोडक्शन, प्लानिंग, कॉस्टिंग्स, फाइनेंशियल अकाउंटिंग, GST रिटर्न, MIS, ऑर्डर एंड कलेक्शन मोबाइल सॉल्यूशन, पेमेंट प्लेटफॉर्म फॉर effortless Reconciliation, सहित छोटे और मध्यम व्यवसायों की हर आवश्यकता का ध्यान रखने में मदद करता है.

इस खास चीजों से रख सकते हैं अपनी इम्युनिटी को सेहतमंद

क्या आपका इम्म्यून सिस्टम कमजोर है, जिसकी वजह से आपको इंफेक्शन बहुत जल्दी हो जाता है? देखा जाए तो इम्म्यून सिस्टम के कमजोर होने का सबसे बड़ा कारण है डायट में न्यूट्रीएंट्स की कमी. जी हां, अगर शरीर में न्यूट्रीएंट्स की कमी हो, तो आपका इम्म्यून सिस्टम तो कमजोर होगा ही. इसके साथ ही आप जल्द ही बीमारियों की चपेट में भी आ जाते हैं. खैर, घबराने वाली बात नहीं है, क्योंकि अगर आप अपनी रोजमर्रा की डाइट में कुछ पौष्टिक आहार शामिल कर लें, तो आपका इम्म्यून सिस्टम को मजबूत होगा ही साथ ही आप हमेशा सेहतमंद भी रहेंगे. आप चाहें तो सब्जियां अपने डाइट में शामिल कर सकते हैं, ये काफी हैल्थी होगा. क्या आप जानते हैं इन सब्जियों को खाने से कोलेस्ट्रॉल और हृदय रोग की संभावना कम होती है. इनसे शरीर को विटामिन और मिनरल्स मिलते हैं, जिनसे इम्म्यून सिस्टम तंदुरुस्त रहता है. खासकर इन सब्जियों को जरूर शामिल करें, जैसे- मेथी, पालक, गाजर और टमाटर. वहीं, फलों से इम्म्यून सिस्टम तो तंदरूस्त तो होता ही है. इसके साथ ही आपकी त्वचा भी निखरती है. ये एंटी-ऑक्सीडेंट के भंडार होते हैं. इन्हें रोज खाया जाना चाहिए. आप इन फलों को शामिल कर सकते है, जैसे- सेब, संतरा, अंगूर, बेरीज, केला, नाशपाती, तरबूज और आड़ू आदि. इसके साथ ही आप अपनी डाइट में सलाद और अनाज भी शामिल कर सकते हैं, जैसे- खीरा, मूली, बीटरूट, नीबू, बीन्स, दाल, सोयाबीन और तिल आदि. खैर, आप इनके अलावा चाहें तो अपने स्वाद अनुसार सारे हैल्थी फूड्स को खा सकते हैं, जिससे आपका इम्म्यून सिस्टम स्ट्रांग रहे और आप सेहतमंद लाइफ एन्जॉय कर सकें.

MEETING OF PHARMA PERSONS WITH DISTRIBUTION CHANNEL PUT ON HOLD

This is as per discussion with Mr Sandeep Nagia president of (RETAIL DISTRIBUTION CHEMIST ALLIANCE AFFILIATED TO AIOCD) Mr Nagia Phone No. 8287936607 inform Media that impact of Kovid-19 is very high in Delhi as compared to other states in India. The members of RDCA are working day in and day out to give selfless service to the ailing humanity, and are at a risk of being infected of the COVID 19.He also release a circular with the statement that "MR/DM/SM are the integral part ofthe supply chain and its their job is to visit the other people of the chain but as of now and till the END of this pandemic COVID 19, their visits have to be put on HOLD to all Retailers Wholesalers, Distributors and CNF." He had advised to the cpmpanies to instruct their field staff to NOT to visit the supply chain establishments in Delhi till the situation returns to normal. All our members are available on Phone, Emails, Whatsapp and other modes of communication so that day to day work is not disturbed, When Medicare media asked Mr Nagia the time period for hoding of meetings of Field persones he did not provide any appropiate date for the same because cases are increasing day by day he said a circular will release soon after suitation will under control. **- Mukul Sharma, Mob:- 8800337133.**

गुणवत्ता परीक्षणों के बिना खेपों को किए गए भुगतानों के बारे में चिंतित है API

सक्रिय फार्मास्युटिकल घटक (active pharmaceutical ingredient (API)) ने उद्योग के भविष्य को लेकर चिंता जाहिर की है। दरअसल, देशभर में जहां COVID-19 की वजह से कई सारे उद्योगों को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. ठीक इन्हीं उद्योगों में से एक फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री भी शामिल है. जी हां, देश के कई अन्य मुद्दों के बीच KSM (key starting material) और भारतीय कच्चे बंद. रगाहों पर डॉक किए गए अन्य कच्चे माल के आयात में देरी होने की वजह से कई परेशानियां हो रही है. इस बारे में बात करते हुए कर्नाटक ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन में लेक केमिकल्स एंड जॉइंट सेक्रेटरी के मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज पालेचा ने कहा कि कच्चे माल और तैयार माल के अंतर-राज्यीय परिवहन से जुड़े तार्किक मुद्दों के कारण अप्रैल में व्यावहारिक रूप से कोई गतिविधि नहीं हुई है. हालांकि, सरकार इन मुद्दों को हल करने में सक्रिय थी, लेकिन दुर्भाग्य से हम आपूर्ति से संबंधित एक और चुनौती का सामना कर रहे हैं. बता दें कि, इसने उत्पादन संयंत्रों को उत्पादन क्षमता के मात्र 50 प्रतिशत पर काम करने के लिए मजबूर किया है। हालांकि, बंद. रगाह अब खुले हैं. वहीं, चीन से शिपमेंट पिछले चार हफ्तों के लिए डॉक किए गए हैं. पालेचा फार्माबीज ने बताया कि भारत में पहुंचने के बाद अगर वे आवश्यक गुणवत्ता मानकों को पूरा करते हैं, तो जांचने के लिए खेपों का विश्लेषण किया जाएगा, क्योंकि सीमा शुल्क और जीएसटी सहित सभी भुगतान करने के बावजूद बंद. रगाहों पर आयोजित होने के बाद हम उनका परीक्षण नहीं कर पाए हैं। इसके अलावा इन सामानों के विश्लेषण में देरी की वजह से खेप की गुणवत्ता के मामले में रिफंड का दावा करने में हमें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है. उन्होंने आगे कहा कि एक और मुद्दा यह है कि वर्तमान में गंभीर रूप से बीमार COVID-19 रोगियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कुछ दवाएं चीनी ज़ेड आपूर्ति पर निर्भर हैं। इन कच्चे मालों के शिपमेंट में अनिश्चित काल के लिए देरी हो सकती है, जिसके चलते इन दवाओं की कमी से संकट बढ़ सकता है। हमें उम्मीद है कि सरकार समयबद्ध तरीके से कार्य करेगी और दवा उद्योग को नुकसान नहीं होने देगी। साथ ही इस तरह की देरी एपीआई निर्माताओं के लिए अप्रत्याशित बाधा पैदा कर रही है. हम स्वीकार करते हैं कि चीन पर निर्भरता कम करने के लिए सरकार का देश के भीतर मध्यवर्ती विनिर्माण को बढ़ावा देने का सही इरादा है। इसने फार्मा उद्योग को पिछड़े एकीकरण के लिए जाने का आह्वान किया है. हालांकि उद्योग इस पहल का समर्थन करता है, लेकिन इसे सुव्यवस्थित और अच्छी तरह से संरचित, समयबद्ध तरीके से लागू करने की आवश्यकता होगी। इन प्रमुख उत्पादों की आपूर्ति में अचानक ठहराव से उद्योग को मदद नहीं मिल रही है। इसके बजाय यह आवश्यक दवा की आपूर्ति में कमी का कारण बन सकता है. बता दें कि, राज्य की सीमाओं पर काम करने वाले MSMEs के लिए एक और बड़ी चुनौती है। दरअसल, उनके कर्मचारियों को हर दिन आने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उदाहरण के लिए, तमिलनाडु और कर्नाटक सीमाओं की परिधि पर स्थित अटेलीबेल और बोम्मसंद्रा जैसे औद्योगिक एस्टेट में, कर्मचारी आसानी से यात्रा करने में सक्षम नहीं हैं. यहाँ सरकार को फैक्ट्री के कर्मचारियों की समस्याओं को हल करने के लिए उन्हें बिना किसी परेशानी के यात्रा करने में मदद करने की आवश्यकता है. अब COVID-19 मामलों की संख्या बढ़ने के साथ, तमिलनाडु पहले से ही लॉकडाउन में है। वहीं, पालेचा ने कहा कि तमिलनाडु और कर्नाटक की सरकारों द्वारा मजदूरों को काम करने की अनुमति देने के लिए एक तंत्र बनाने की जरूरत है, ताकि दवा उद्योग जो कि COVID -19 के खिलाफ इस युद्ध में महत्वपूर्ण है. वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन कर सके.

GSK announces intention to produce 1 billion doses of pandemic vaccine adjuvant in 2021 to support multiple COVID-19 vaccine collaborations

GSK today confirmed its intention to manufacture 1 billion doses of its pandemic vaccine adjuvant system, in 2021, to support the development of multiple adjuvanted COVID-19 vaccine candidates. GSK believes that its pandemic adjuvant technology could make a significant contribution against COVID-19. As demonstrated in the last flu pandemic, GSK's pandemic adjuvant can reduce the amount of vaccine protein required per dose, which allows more vaccine doses to be produced, contributing to protecting more people. Additionally, an adjuvant can enhance the immune response and has been shown to create a stronger and longer-lasting immunity against infections. GSK has prioritized its efforts towards making it's pandemic adjuvant technology available to partners developing promising COVID-19 vaccine candidates that are suitable for use with an adjuvant. To date, the company has formed several collaborations, including with scientific partners in North America, Europe, and China, to develop vaccines. Discussions with potential partners on further collaborations are ongoing. Confirmation of the enhanced manufacturing capacity follows the completion of a review conducted across the company's global supply network. GSK will manufacture, fill and finish adjuvant for use in COVID-19 vaccines at sites in the UK, US, Canada, and Europe. Roger Connor, President, GSK Global Vaccines, said: "We believe that more than one vaccine will be needed to address this global pandemic and we are working with partners around the world to do so. We believe that our innovative pandemic adjuvant technology has the potential to help improve the efficacy and scale-up of multiple COVID-19 vaccines. With this significant expansion in our manufacturing capacity, we can help deliver up to 1 billion doses of adjuvanted vaccines through 2021, helping protect many more people and support the global effort to fight COVID-19." Given the unprecedented need to develop COVID-19 vaccines, GSK has started the manufacture of the adjuvant at risk. The company is in discussions with Governments and global institutions about funding for production and supply of the adjuvant. GSK is committed to making its adjuvant available through mechanisms that offer fair access for people across the world. Making the adjuvant available to the world's poorest countries will also be a key part of these efforts, including donations, by working with governments and the global institutions that prioritize access. Overall GSK does not expect to profit from sales of its portfolio of collaborations for COVID-19 vaccines made during this pandemic phase, as profit generated will be invested in support of coronavirus related research and long-term pandemic preparedness, either through GSK's internal investments or with external partners.

चलते रहो

वृद्ध अपनी छोटी सी दुकान वर्षों से नियमित चला रहे थे. पूछने पर बताते ''काम करने की कोई जरूरत नहीं है. जीवन में किसी बात की कमी नहीं है. पर मैं अभी शारीरिक रूप से सक्षम हूँ. काम करता रहूँगा तो ठीक रहूँगा. अन्यथा शरीर और जीवन में जंग लग जाएगी. बीमार हो जाऊँगा.''

– डॉ॰ नरेन्द्र नाथ लाहा, ग्वालियर (म॰प्र॰), मो॰ 09753698240.

Tulsi Pearl ™
Drops
इम्युनिटी भरपूर
arlak
आयुर्वेद का विशवास
तुलसी के दुर्लभ गुण
आर्लैक की गुणवत्ता
शरीर से रोग होगा कोसों दूर
राम तुलसी यह फेफड़ो रोग, कफ, अस्थमा, ट्यूबरक्लोसिस व ब्लड शुगर की समस्याओं मे ज्यादा गुणकारी है यह एंटी-बैक्टीरियल है
कृष्ण तुलसी खून साफ, रक्त प्रवाह ठीक करता है हार्ट एंव हाई ब्लड प्रेशर की समस्या में भी काफी गुणकारी है
शुक्ला तुलसी सर्दी-जुकाम मे राहत प्रदान करती है और शुक्ला तुलसी मुहांसो को कम करने मे भी सहायता करती है
विष्णु तुलसी रोग प्रतियोगिता क्षमता बढ़ाए व आलस्य दूर कर शरीर में स्फूर्ति बढ़ाता है
वन तुलसी सांस की दुर्गंध व प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है चेहरे की चमक व शारीरिक कमज़ोरी दूर करता है
Tulsi Pearl
SWASTH ™
RUB 80
HAND SANITIZER
Drops of TRUST
arlak
WHO RECOMMENDED
80% Alcohol Content
On Purchase of Tulsi Pearl Drops (M.R.P. :149.00)
Get Swasthrub 100 ml Sanitiser (M.R.P. : 50.00)
Free of Cost
SPECIAL OFFER
Hurry up !
Grab the opprtunity.....
Contact : 7696263636 | 7717377163
www.arlakbiotech.com | Healthbuffet.com

CDSCO की नई पहल, ट्रांसफ्यूजन संबंधी प्रतिकूल घटनाओं के रोगियों की निगरानी के लिए लेगा CP थेरफी की मदद!

केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन (Central Drugs Standard Control organization (CDSCO) अब केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय (Union health ministry's) के दिशानिर्देशों पर आधारित कॉनवालेसेंट प्लाज्मा (convalescent plasma (CP)) चिकित्सा पर नए मापदंड के सेट के साथ काम करेगा। दरअसल, ये फैसला केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशानिर्देशों के आधार पर किसी भी आधान संबंधी प्रतिकूल घटनाओं और मरीजों के पोस्ट ट्रांसफ्यूजन पर निगरानी रखने के लिए लिया गया है. वैसे, देखा जाए तो CP पर विचार करते हुए नए मानदंडों के अनुसार उसमें विशेष पूर्वापेक्षाएं भी शामिल हैं, जो एबीओ कम्पेटिबिलिटी और डोनर प्लाज्मा के क्रॉस मैचिंग है। बता दें कि, इसमें डोनर प्लाज्मा का न्यूट्रलाइजिंग टिटर विशिष्ट सीमा से हमेशा ऊपर होना चाहिए। अगर ये उपलब्ध नहीं है, तो 1:640 से ऊपर प्लाज्मा IgG टिटर (S& प्रोटीन RBD के खिलाफ) का उपयोग किया जाना चाहिए। फिलहाल, IgA की कमी या इम्युनोग्लोबुलिन एलर्जी वाले रोगियों को CP के उपयोग से बचना चाहिए। खुराक 4 से लेकर 13 मिलीलीटर/किग्रा (आमतौर पर 200 मिलीलीटर एकल खुराक होना चाहिए, जो 2 घंटे से कम नहीं होता है।) तक होना चाहिए. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा नए क्लिनिकल मैनेजमेंट प्रोटोकॉल: COVID-19 पर नए दिशानिर्देश 27 जून, 2020 को जारी किए गए थे। वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार, सीपी को उन रोगियों में माना जा सकता है, जिन्हें मध्यम बीमारी है (जिसमें ऑक्सीजन की आवश्यकता नहीं होती है।). CDSCO ने अप्रैल 2020 में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (Indian Council of Medical Research (ICMR)) द्वारा विकसित प्रोटोकॉल के अनुसार CP थेरेपी के लिए नैदानिक परीक्षणों के संचालन पर कोई आपत्ति नहीं दी थी। वहीं, अनुमोदन के बाद, इसने व्यक्तियों, संस्थानों और संगठनों को निर्देशित किया था, जो CP चिकित्सा, नैदानिक परीक्षण के संचालन और आईसीएमआर से परामर्श लेने के लिए परीक्षण के संचालन में रुचि रखते थे. 14 अप्रैल, 2020 को एक बैठक में CDSCO, विषय विशेषज्ञ समिति (subject eñpert committee (SEC)) के माध्यम से परीक्षण करने के लिए ICMR के प्रस्ताव की समीक्षा की गई और CP थेरेपी को कोविड -19 की वर्तमान मौजूदा स्थिति के मद्देनजर त्वरित अनुमोदन प्रक्रिया के तहत मंजूरी दी गई। वहीं, इसके आधार पर समिति की सिफारिशें नए प्रोटोकॉल और नैदानिक परीक्षण नियम 2019 (Drugs And Clinical Trial Rules 2019) के तहत प्रोटोकॉल में कुछ संशोधनों और विभिन्न शर्तों के अधीन इसे अनुमोदित किया गया है. ICMR ने CDSCO के साथ संस्थानों की एक सूची भी साझा की थी, जिन्होंने उक्त परीक्षण के संचालन में रुचि दिखाई है। प्रोटोकॉल के अनुसार, प्लाज्मा डोनर्स को प्लाज्मा दान की प्रक्रिया और प्रक्रिया से जुड़े प्रतिकूल घटनाओं के बारे में बताया जाएगा. वहीं, सहमति दाताओं के बीच और परिणामों के आधार पर, दाताओं को प्लाज्मा दान के लिए एक निर्दिष्ट तिथि पर लौटने के लिए कहा जाएगा. प्लाज्मा संग्रह स्वास्थ्य सुविधा में एफेरेसिस उपकरण का उपयोग करके केन्द्रापसारक पृथक्करण द्वारा किया जाएगा. CP थेरेपी प्रबंधन योजना पूरक ऑक्सीजन और यांत्रिक वेंटिलेशन के साथ सहायक देखभाल है। विभिन्न उपचार रणनीतियों की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए दुनिया भर में कई परीक्षण किए जा रहे हैं. US FDA ने COVID-19 से बरामद मरीजों को गंभीर या जीवन के लिए खतरा होने वाले COVID-19 संक्रमण के इलाज के लिए भी CP द्वारा मंजूरी दी थी.

AMAC को मिला PCI का समर्थन, अब J&K और लद्दाख में होगा फार्मासिस्ट का काम!

मेडिकल असिस्टेंट कोर्स (MAC) ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेशों में छात्रों और मेडिकल शॉप फार्मासिस्टों को उत्तीर्ण किया है। एक तरफ जहां, COVID-19 महामारी के कारण दोहरे संकट का सामना करना पड़ा रहा है। वहीं, दूसरी तरफ प्रमाण पत्र पंजीकरण के लिए कोई और सहारा नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (PCI) ने सूचित किया है कि वह सभी कानूनी पहलुओं पर विचार करते हुए, संघ शासित प्रदेशों में फार्मासिस्टों के हितों की रक्षा करेगा. PCI के सूत्रों के अनुसार, परिषद को अब इस मामले में जब्त कर लिया गया है, और उसने इस संबंध में देशभर के नियामक अधिकारियों, राज्य फार्मेसी परिषदों और अन्य हितधारकों से विवरण मांगा है। वहीं, परिषद किसी निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए प्रत्येक एजेंसी से प्रतिक्रियाओं की प्रतीक्षा कर रही है। साथ ही चर्चा के लिए सुझाव और सिफारिशें परिषद की बैठक में रखी जाएंगी. बता दें कि, यह पता चला है कि देश के विभिन्न हिस्सों से परिषद के सदस्य मामले का समर्थन कर रहे हैं। इसके साथ ही उनका MAC उत्तीर्ण लोग और नई फार्मेसी परिषद के साथ पंजीकरण करने के लिए पाठ्यक्रम का पीछा करने वालों को अनुमति देने पर आपत्ति करने की संभावना नहीं है. PCI अध्यक्ष डॉ. बी सुरेश से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, "PCI का ध्यान जम्मू-कश्मीर में फार्मासिस्टों के पंजीकरण के लिए आकर्षित किया गया है। इसने इस संबंध में नियामक अधिकारियों, राज्य फार्मेसी परिषदों और अन्य हितधारकों से विवरण मांगा है। साथ ही जानकारी प्राप्त करने और कानूनी स्थिति देखने के बाद, PCI इस संबंध में राज्य परिषद को आवश्यक सिफारिशें देगा। वहीं, फार्मासिस्ट के हित को पर्याप्त रूप से संरक्षित किया जाएगा." J&K और लद्दाख के संघ शासित प्रदेशों में फार्मेसी के पेशे के संबंध में वर्तमान स्थिति यह है कि अस्पतालों और सामुदायिक स्तर पर फार्मेसियों को MAC पास लोगों द्वारा नियंत्रित किया जाता है। बता दें कि, उन्हें फार्मेसी योग्य व्यक्तियों की अनुपस्थिति में काम करने की अनुमति थी। 31 अक्टूबर 2019 से जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के लागू होने से पहले, जम्मू-कश्मीर फार्मेसी अधिनियम 2011 के तहत गठित एक अलग राज्य फार्मेसी परिषद, J&K फार्मेसी काउंसिल, राज्य में मौजूद थी, और इसने MAC उत्तीर्ण छात्रों को इसके साथ पंजीकरण करने की अनुमति दी थी. भारतीय फार्मेसी अधिनियम 1948 के अनुसार, फार्मासिस्ट के रूप में पंजीकरण के लिए न्यूनतम योग्यता डिप्लोमा इन फार्मेसी है। वहीं, अब पुनर्गठन अधिनियम लागू होने और राज्य के दो संघ शासित प्रदेशों में विभाजित होने के बाद, जम्मू और कश्मीर फार्मेसी परिषद का अस्तित्व समाप्त हो गया है. MAC के छात्रों ने पहले ही इसे पूरा कर लिया है। वहीं, मेडिकल स्टोर चलाने के लिए दवा लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य है. इस बीच, जम्मू और कश्मीर विश्वविद्यालय में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग में एक फार्मेसी के प्रोफेसर डॉ.गीर एम इशाक ने फार्माबीज के साथ बातचीत करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेशों में व्यावसायिक फार्मेसी सेवाओं के संबंध में समग्र परिदृश्य को बहुत निराशाजनक बताया है। देखा जाए तो हर जगह अयोग्य लोग फार्मासिस्ट के रूप में काम कर रहे हैं। वे खुदरा फार्मेसियों में और अस्पतालों में काम करते हैं, और दवाओं के बारे में बिना किसी तकनीकी जानकारी के मरीजों को वितरित करते हैं. इसके अलावा, वे रोगियों को दवाओं के उपयोग और संभावित दुष्प्रभावों के बारे में कोई बुनियादी जानकारी नहीं देते हैं. तेजी से बदलते समय और वैश्विक रुझानों के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए स्थिति को बदलना होगा. इसी तरह, प्रशिक्षित और योग्य फार्मेसी चिकित्सकों को वार्ड राउंड के दौरान मेडिकल टीम का एक हिस्सा और पार्सल होना चाहिए और रोगियों को सर्वोत्तम संभव ड्रग थेरेपी निर्धारित करने में उनकी सहायता लेनी चाहिए। सरकारी क्षेत्र में भी, अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उप-केंद्रों के भीतर फार्मेसियों को चिकित्सा सहायकों द्वारा संचालित किया जाता है, जिन्होंने विशेष रूप से फार्मेसी में मानदंडों के तहत आवश्यक कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं लिया है. इसी तरह, हमारे पास सरकारी क्षेत्र में किसी भी स्तर पर फार्मेसी स्नातकों और स्नातकोत्तरों के लिए कोई भी पद उपलब्ध नहीं है। यहां तक कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण निदेशालय द्वारा विज्ञापित जूनियर स्तर के फार्मासिस्ट पदों के लिए भी उनके आवेदन स्वीकार नहीं किए जाते हैं। नतीजतन, योग्य फार्मासिस्टों की सेवाएं दो यूटी में पूरी तरह से अप्रयुक्त हैं, जो रोगियों को दवाओं के उपयोग के बारे में अनमोल जानकारी से वंचित करती हैं. मगर J&K मेडिकल असिस्टेंट स्टूडेंट्स एसोसिएशन (JKMASA) के उपाध्यक्ष मीर शबीर के अनुसार, MAC के छात्र डी फार्मा के पाठ्यक्रम में दवा विज्ञान के विषयों से अधिक सीखते हैं. MAC सिलेबस में फार्मेसी प्रैक्टिस, फार्माकोलॉजी, फार्मास्युटिकल एनालिसिस और फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री के अध्याय शामिल हैं। वास्तव में MAC का पाठ्यक्रम लगभग सभी डी फार्मा के समान है। अन्यथा यह कहा जा सकता है कि यह डिप्लोमा पाठ्यक्रम की तुलना में अधिक है। हमारा संघ PCI के अनुकूल विचार के लिए एक ज्ञापन तैयार कर रहा है।

www.medicaldarpan.com

क्षणिकाएं

अवलोकन
अपने अन्दर, रोज झांको.
स्वयं को, रोज आंको.

स्मृति
कुछ अच्छा, रोज कर जाईए,
तभी तो यादों, में रह पाईए.

क्रिया
यथा सम्भव, शरीर चलाना.
वरना यह, जाम हो जाना.

विपरीत
अर्थ का अनर्थ, कई बनाते हैं.
जाने ऐसे लोग, क्या पाते हैं.

संतोष
सब्र का फल, सभी जानते हैं.
पर सब्र का धैर्य, कितने जन मानते हैं.

युक्ति
ठंड का रोज रोना, अब बन्दु कर जाएं.
गर्मियों को यादकर, ठंड का मजा पाएं.

चलन
आने वाला कल, जाने क्या लाएगा?
चलते जाना है, सफलता को पाएगा.

अकेला
समय आता है, समय जाता है.
किसके लिए कौन, रूक पाता है.

अल्प
लघु में, समझाना.
कम ने, है जाना.

– डॉ॰ नरेन्द्र नाथ लाहा, ग्वालियर (म॰प्र॰), मो॰ 09753698240.

श्री जगदीश प्रसाद गर्ग, मैनेजिंग डायरेक्टर **HK Lifesciences PVT LTD, Delhi** मीडिया हाऊस कार्यालय में कोरोना योद्धा सम्मान पत्र ग्रहण करते हुये

वेदशिव बिजनेस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली के डायरेक्टर शिवम शर्मा जी ने मीडिया हाऊस कार्यालय में अपना कोरोना योद्धा सम्मान पत्र ग्रहण किया.

www.medicaldarpan.com

AUTHORIZED DISTRIBUTORS OF ADR BOOK

Location	Party Name	Contact No.
Agra	Satish Book Enterprises	9997877123
Ahmedabad	Bharat Medical Book House	9824013920
Akola	Book Emporium	9422861751
Aligarh	Rama Book Store	9319275252
Allahabad	Chetana Medical Books	9307978423
Amritsar	City Book Shop	0183-2571591
Amritsar	Medical Books & Surgicals Centre	0183-2422729
Aurangabad	Arihant Excel Medical Book House	9822259681
Aurangabad	Shri Samarth Book Depot	9822034577
Belgaun	Shri Ganesh Book Stall	8312461258
Berhampur	Book World	9861015189
Bhagalpur	Kora Kagaz	9771511779
Bhopal	Lyall Book Depot	0755-2543624
Bhubaneswar	Annapurna Medical Book Shop	9861243882
Bikaner	Academy Book Centre	9414138998
Burla	Bharat Book Emporium	9337335744
Calicut	Ramdas Sotes & Books	0495-2358398
Chennai	Chennai Medical Book Centre	044-66246369
Chennai	Shah Medical Books	9444829937
Coimbatore	Arasu Medical Book House	9444308567
Coimbatore	Balaji Medical Books	0422-6725292
Coimbatore	Dass Medical Book Shop	9443958620
Cuttack	Scientific Book Depot	9437020414
Delhi	Mirza Book Depot	9958723206
Delhi	Pawan Book Service	9810202316
Delhi	R.S.Book Store	9810546759
Delhi	Sagar Book Depot	9811680722
Delhi	University Book Store	9818357577
Dhulea	Koshal Book Shop	9423916592
Gorakhpur	Medical Book Centre	9450884543
Gwalior	Anand Pustak Sadan	9425114555
Indore	New Jain Book Stall	9926636333
Indore	Scientific Literature Company	9826299744
Jabalpur	Lords Book Sellers	9425155125
Jabalpur	Akash Pustak Sadan	9826563047
Jaipur	Kumar Medical Book Store	9829610430
Jammu	Bhartiya Pustakalaya	9796636000
Jammu	Narend Book Depot	9419114398
Jamnagar	Jay Medical Book Centre	9925236982
Jodhpur	Book World	9829088088
Jorhat	Naveen Pustakalaya	9435514204
Kolhapur	Ajab Pustakalaya	9881424434
Kolkata	Raj Book House	9432550891
Kota	R.K.Stationers	9829087574
Koti Hyderabad	Osmani Medical Book House	040-64644253
Koti Hyderabad	Paras Medical Books Pvt Ltd.	040-24600869
Koti Hyderabad	Sharp Medical Book Centre	040-65544303
Lucknow	Aditya Medical Books Pvt Ltd.	0522-2611724
Lucknow	Arora Book Agencies	0522-4046778
Ludhiana	Verma Book Depot	9872202530
Madurai	Medical Books & International	9344101063
Meerut	City Book Centre	0121-4056292
Meerut	Menakshi Prakashan	0121-2645498
Meerut	R LAL Book Depot	0121-2666235
Mumbai	The National Book Depot	022-24131362
Mumbai	Vikas Medical Book House Pvt Ltd.	022-23010441
Mumbai	Bhalani Medical Book House	022-24171660
Nagpur	New Medical Book Shop	9822225591
Nagpur	Book Source	9850943011
Patna	Current Book Service	9431077745
Pune	J D Granth Bhandar	020-24492832
Raipur	S.K.Medical Book House	9329637397
Raipur	Sristhi Book Stationery Mart	9300855027
Rajkot	Jay Books Medical Book	9925236984
Ranchi	Student Book Depot	0651-2221907
Saharanpur	Hans Pustak Bhandar	9457449388
Sangli	Tanavade & Sons	9823049499
Sri Nagar	Doctors Dotkom	9086454647
Tirupati	Shri Venketswar Book Depot	9885479105
Trivandram	Professional Book House	9495951506
Varanasi	Atithi Medical Books	9307978423
Varanasi	Current Book Agency	9335015235
Visakhapatnam	Andhra Medical Book Centre	9985716032
Visakhapatnam	World Medical Book Centre	9849022192

फार्मा उद्योग अनुसंधान और विकास के व्यावसायीकरण के लिए शिक्षाविदों के साथ काम करेगा: राकेश के चितकारा

ग्लोबल गवर्नमेंट अफेयर्स (दक्षिण एशिया) में एबॉट हेल्थकेयर के वरिष्ठ निदेशक राकेश के चितकारा का कहना है कि उद्योग और अकादमिक साझेदारी न केवल तालमेल बनाती है, बल्कि कोविड-19 महामारी के वर्तमान परिदृश्य में आवश्यक गति से समाधान विकसित करने और बढ़ाने के लिए एक गुणक प्रभाव है. भारत के इस क्षेत्र में पहले से ही विश्व स्तर पर जो कुछ भी हो रहा है, उसकी तुलना में इस क्षेत्र में बहुत कुछ करने की आवश्यकता है, जहां प्रमुख पेटेंट के साथ उद्योग और शिक्षा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में निर्बाध रूप से काम किया जाता है. उन्होंने आगे कहा कि इन साझेदारियों से निकलने वाली प्रमुख खोजों में व्यावसायीकरण की क्षमता देखी जाती है। COVID-19 महामारी के पिछले तीन महीनों के दौरान, भारत ने सरकार के अलावा उद्योग और अकादमियों के साथ सहयोग करने की जबरदस्त क्षमता दिखाई थी, जो एक साथ काम करने का संकेत देती थी. इस गति का अध्ययन करना चाहिए कि वर्तमान बीमारी COVID-19 कैसे बदल रही है और विकसित हो रही है, अन्यथा हम पीछे रह जाएंगे. इसलिए, निश्चित रूप से उद्योग और अकादमिक भागीदारी को बढ़ाने या मौजूदा लोगों को मजबूत करने की जरूरत है। CII सत्र फार्मास्यूटिकल्स में सफल उद्योग-अकादमी सहयोग में शामिल विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार-विमर्श की भी आवयश्कता है. एक अध्ययन का हवाला देते हुए, उन्होंने कहा कि उद्योग और अकादमिक सहयोग का विश्व स्तर पर 100 अंक बढ़ गए हैं. यहां तक भारत में, सहयोग के लिए पर्याप्त संभावनाएं हैं। कहीं न कहीं यह कार्य करने का समय है, जब भारत को COVID-19 को रोकने के लिए बुरी तरह से वैक्सीन की आवश्यकता है, क्योंकि परीक्षण के लिए विभिन्न वैक्सीन उम्मीदवारों की भारी आवश्यकता है. अब शुरू करने के लिए एबॉट समेत फार्मा कंपनियों ने बोस्टन, मैसाचुसेट्स, हार्वर्ड और ऑक्सफोर्ड के विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर काम शुरू किया है. एक देश विशिष्ट दृष्टिकोण से, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (Indian Council of Medical Research (ICMR)) काफी काम कर रहा है, लेकिन जिस तरह से वैश्विक अकादमिक संस्थान क्लिनिकल ट्रायल में सहयोग करते हैं, और इसका अनुवाद करते हैं, जिसे वह मरीजों तक ले जाते हैं, उन साझेदारियों को स्थापित करने में समय व्यतीत करते देखा जाता है. चितकारा ने आगे कहा कि अब भारत में, हमें इन सरकारी अनुसंधान संस्थानों के साथ अनुसंधान और विकास गतिविधियों पर समय बिताने की जरूरत है, और यह भी आकलन करना चाहिए कि क्या उद्योग का वित्तपोषण पर्याप्त है. सीआईआई उत्तरी क्षेत्रीय कमेटी ऑन लाइफ साइंस में नेक्टर लाइफसाइंसेस के एफमेक्ससिल, कार्यकारी निदेशक और चेयरमैन डॉ. दिनेश दुआ ने कहा कि अब उद्योग और शिक्षा करीब काम कर सकते थे। अगर उनकी मानसिकता है, तो बहुत कुछ हो सकता है. वहीं, हम अभी जेनरिक के कॉपीकैट संस्करणों को जारी रखते हैं. सहयोग की आवश्यकता पर पुनर्विचार करते हुए, चितकारा ने आगे कहा कि फार्मा उद्योग अनुसंधान और विकास के व्यावसायीकरण के लिए शिक्षाविदों के साथ जुड़ रहा है.

SII के CEO ने सरकार से परीक्षण किट के निर्यात के लिए अनुमति देने की मांग की!

वैक्सीन निर्माता सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (Vaccine maker Serum Institute of India (SII)) साल के अंत तक COVID-19 वैक्सीन विकसित करने की उम्मीद कर रहा है. दरअसल, कंपनी के सीईओ अडार पूनावाला ने मंगलवार को कहा, "सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया एक अच्छे और सुरक्षित उत्पाद पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिसे बनाने की उसे कोई भी जल्दी नहीं है." बता दें कि, ये बात कंपनी के सीईओ अडार पूनावाला मंगलवार को MyLab डिस्कवरी सॉल्यूशंस द्वारा आयोजित एक कॉम्पैक्ट डायग्नोस्टिक्स मशीन 'Compact XL' के लॉन्च कार्यक्रम के दौरान बोल रहे थे, जो RT&PCR ट्यूबों को तैयार करने के लिए सैंपल हैंडलिंग से लैब प्रक्रियाओं को स्वचालित करेगा. COVID-19 वैक्सीन के विकास के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए, सीईओ अडार पूनावाला ने कहा कि 2020 के अंत तक, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के द्वारा एक वैक्सीन बनाने की उम्मीद की जा रही है. दरअसल, अडार पूनावाला कहते हैं, "साल के अंत में, हम एक वैक्सीन की उम्मीद कर रहे हैं. इसलिए, हम उत्पाद के बारे में तीन चरणों में से एक पर चर्चा करेंगे. उत्पाद के बारे में हाल ही में, एक और वैक्सीन उम्मीदवार के बारे में खबर आई थी, जो जल्दी में बनाया जा रहा था. मगर हम जल्दबाजी नहीं करना चाहते। मैं अगर कहूं तो कुछ भी हो हम सुरक्षा और प्रभावकारिता पर ही जोर देना चाहते हैं, और एक बार जब हम अच्छे और सुरक्षित वैक्सीन के बारे में आश्वस्त हो जाएंगे, तो हम जरूर घोषणा करेंगे, लेकिन अभी भी छह महीने दूर हैं." उन्होंने आगे कहा, "जब तक वैक्सीन नहीं आती है, परीक्षण महत्वपूर्ण है और यही कारण है कि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने MyLabs में निवेश किया है. अगर आप अलग परीक्षण करते हैं, तो हम स्थिति का प्रबंधन तब तक कर सकते हैं, जब तक कि अच्छा इलाज या वैक्सीन चारों ओर से न आ जाए. मैं बता दूं कि पुणे स्थित आणविक डायग्नोस्टिक्स फर्म MyLabs में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने 100 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है. साथ ही भारत पर्याप्त परीक्षण नहीं कर रहा है, और MyLabs सहित भारतीय परीक्षण निर्माता उत्पादन क्षमता बढ़ा रहे हैं. वैसे, एक डर है कि अगर सकारात्मक रोगियों की संख्या बढ़ जाती है, तो क्या होगा। मैं कहना चाहूंगा कि संख्या बढ़ने पर कोई नुकसान नहीं होगा, क्योंकि इससे हम लोगों का पता आसानी से लगा पाएंगे." फिलहाल, पूनावाला ने परीक्षण किट के निर्यात की अनुमति देने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि, "हमारे पास परीक्षण किट बनाने की पर्याप्त क्षमता है. मैं बता दूं कि MyLab प्रति सप्ताह 2 मिलियन किट का उत्पादन कर सकते हैं, और भारत में इसकी कोई मांग नहीं है, इसलिए हमें निर्यात करने की अनुमति दें और अधिक प्रकोप होने पर भारत के लिए हमारे पास पर्याप्त बफर स्टॉक आसानी से उपलब्ध है. मैं सरकार के आशीर्वाद का इंतजार कर रहा हूं."

Cipla receives final approval for generic version of Migranal® (Dihydroergotamine Mesylate Nasal Spray 4mg/mL) with a Competitive Generic Therapy Designation

Cipla Limited (BSE: 500087; NSE: CIPLA EQ; and hereafter referred to as "Cipla") announced that it has received final approval for its Abbreviated New Drug Application ("ANDA") for Dihydroergotamine Mesylate Nasal Spray 4mg/mL from the United States Food and Drug Administration (U.S. FDA) with a Competitive Generic Therapy ("CGT") designation. Cipla is the "first approved applicant" for such CGT and, is, therefore, eligible for 180 days of CGT exclusivity which will begin to run from the commercial marketing of Cipla's product. This 180-day CGT exclusivity will not block the commercialization of the existing approvals of Dihydroergotamine Mesylate Nasal Spray, 4 mg/ml. Cipla's Dihydroergotamine Mesylate Nasal Spray 4mg/mL is AB-rated generic therapeutic equivalent version of Bausch Health US LLC's Migranal®. This is Cipla's first ANDA approval for a nasal spray. It is indicated for the acute treatment of migraine headaches with or without aura. According to IQVIA (IMS Health), Migranal® and its authorized generic equivalents had U.S. sales of approximately $102M for the 12-month period ending March 2020. Cipla's product is available for shipping immediately.

3 वर्ष तक घर बैठे यह समाचार पत्र पढ़ने के लिये हमारे पंजाब नैशनल बैंक के खाता संख्या 1824002100120090, IFSC Code - PUNB0182400 Branch- Deputy Ganj जो कि फार्मा न्यूज के नाम से है, में रू० 250/- जमा कर अपना पूरा पता हमारे फोन नं०- 09410434811 पर SMS कर दें।

COVID-19 SPECIAL PAGE

घर में रहें, सुरक्षित रहें, सुरक्षा ही बचाव है

एनपीपीए ने सिप्ला को दिया निर्देश
कहा-टोसिलिजुमैब इंजेक्शन की आपूर्ति को बेहतर बनाए

नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (NPPA) ने फार्मास्यूटिकल प्रमुख सिप्ला लिमिटेड को निर्देश दिया है कि वह गुजरात में टोसिलिजुमैब इंजेक्शन की आपूर्ति और उपलब्धता को बेहतर बनाए, जिसका इस्तेमाल कोविड-19 रोगियों के इलाज में हो रहा है. वहीं, राष्ट्रीय दवा मूल्य नियामक (National Drug Pricing Regulator) ने भी सिप्ला को गुजरात और देश के अन्य राज्यों के लिए तीन महीने की आपूर्ति योजना साझा करने के लिए कहा है. गुजरात FDCA कमिश्नर, डॉ. एचजी को. शिया ने बताया कि "ड्रग टोसिलिजुमैब इंजेक्शन मुख्य रूप से रुमेटीइड गठिया (Rheumatoid arthritis (RA) जैसे ऑटोइम्यून रोगों (Autoimmune Diseases) के लिए है, लेकिन इसने कोविड-19 उपचार में आशाजनक परिणाम दिखाए हैं, जो गांधीनगर सिविल अस्पताल में इसके उपन्यास पर आधारित है, जहां 40 से 45 आयु वर्ग के दो रोगियों को 7 मई, 2020 को वेंटिलेटर पर रखने से पहले ही सफलतापूर्वक पुनर्प्राप्त कर लिया गया था." उन्होंने आगे कहा, इस घटना को राज्य के स्वास्थ्य विभाग और मुख्यमंत्री के साथ साझा किया गया था. फिर, गुजरात FDCA की सिफारिश पर, राज्य की उच्च शक्ति COVID समिति ने राज्य में वितरकों को तत्काल आधार पर 20-25 शीशियों की खरीद का निर्देश दिया. गुजरात FDCA आयुक्त ने आगे बताया, "80 मिलीग्राम प्रति शीशी, 200 मिलीग्राम प्रति शीशी और 400 मिलीग्राम की खुराक में उपलब्ध है, लेकिन इंजेक्शन बहुत महंगा है। गुजरात सरकार ने कहा है कि मानव जीवन सर्वोपरी है और खर्च चिंता का क्षेत्र नहीं है. बता दें कि, गुजरात फूड एंड ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन (FDCA) और NPPA के जारी पत्राचार के आधार पर, वर्तमान में बैंगलोर के सिप्ला डिपो से गुजरात के एक स्टाकिस्ट के पास से टोसिलिजुमैब के लेकर 250 इंजेक्शन लगाए गए हैं. वहीं, डॉ. कोशिया ने बताया, आज तक, रिटेल ड्रग सप्लाई के लिए 40 इंजेक्शन और सरकारी सप्लाई के लिए 210 इंजेक्शन रखे गए हैं, जहाँ मरीजों को दवा मुफ्त दी जाती है. भारत में, दवा एक्टेमरा (Actemra) नाम के ब्रांड के तहत बेची जाती है. रोशे फार्मा द्वारा निर्मित और मुंबई स्थित सिप्ला द्वारा निर्मित टोसिलिजुमैब का उपयोग आज COVID-19 रोगियों पर किया जा रहा है, जो संक्रमण की ओर अत्यधिक प्रतिरक्षा प्रणाली प्रतिक्रिया से पीड़ित हैं. वैसे इसे साइटोकिन तूफान कहा जाता है, जिससे बहु अंग विफलता और मृत्यु हो जाती है. कुछ परीक्षण अध्ययनों में टोसिलिजुमैब ने IL6 नामक एक प्रोटीन को संशोधित करके COVID-19 रोगियों में साइटोकिन प्रतिक्रिया को धीमा करने के लिए दिखाया है. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने COVID-19 के महत्वपूर्ण रोगियों के लिए इस दवा का बहु-केंद्र परीक्षण शुरू करने के लिए अलग से भारत के कुछ अस्पतालों को मंजूरी दी है.

मैडीकल दर्पण मीडिया हाऊस
द्वारा सम्मानित किये गये इस माह के कोरोना योद्धा

उत्कृष्ट उद्योग ने आयात की गुणवत्ता मानकों में सुधार के लिए बढ़या कदम

इंडियन फार्मा एक्सीपीएन्ट निर्माता अब आयात पर निर्भरता को कम और निर्माण के अपने गुणवत्ता मानकों में सुधार करने के लिए आक्रामक रूप से काम कर रहे हैं. वर्तमान में 70 प्रतिशत उत्पादकों का आयात किया जाता है. वहीं, यह चीन शोध के आयात का एक बड़ा स्रोत है. बता दें कि, इसका भारत में केवल 30 प्रतिशत का निर्माण होता है, जो कि बड़ी कंपनियों द्वारा किया जाता है. इंटरनेशनल फार्मास्युटिकल एक्सिपीशंस काउंसिल ऑफ इंडिया (IPEC) और रेग्युलेटरी अफेयर्स मैनेजर, कलरकॉन एशिया के चेयरपर्सन विशाखा मेटकर का कहना है, इस क्षेत्र में कई मुद्दे जुड़े हुए हैं, जिनमें इनपुट कच्चे माल तक पहुंच और उत्पादन प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए कुशल श्रमिकों की कमी शामिल है. कई कंपनियों के दुनिया भर में आयात पर निर्भर होने का मुख्य कारण यह है कि घरेलू खिलाड़ी प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण और मांग से मेल नहीं खाते हैं. इस वजह से अधिकांश सक्रिय फार्मास्युटिकल इन्ग्रीडिएंट (एपीआई) और फॉर्मुलेशन कंपनियां आयातित एक्सिपीयर का उपयोग करना पसंद करती हैं. मेटकर ने फार्माबिज को बताया, कई बार, फार्मास्युटिकल कंपनियों द्वारा की जाने वाली कठोर आवश्यकताएं उत्पादकों को आपूर्ति आद. ेशों को पूरा करने के लिए मुश्किल बनाती हैं. हालांकि, अगर एक्सपीरिएंस कंपनियां सुधार करने के लिए झुकती हैं, तो अकेले फार्मास्युटिकल क्षेत्र से उनका लाभ मार्जिन उत्पादन में उनके निवेश से अधिक होगा. शायद ही कुछ बड़े पैमाने पर निर्माता हैं. अगर निर्माण क्षेत्र को वैश्विक क्षेत्र में प्रतिनिधित्व देने की जरूरत है तो विनिर्माण, मोनोग्राफ और अन्य आवश्यकताओं के मौजूदा मानकों को अपग्रेड करना आवश्यक है. यहां तक की विनियमों के क्षेत्र में भी, भारत में उत्पादकों के लिए एक समर्पित दिशानिर्देश की आवश्यकता है. वर्तमान में, यह एक एपीआई के रूप में माना जाता है और समान दिशानिर्देश लागू होते हैं. कुछ विशिष्ट खिलाड़ियों ने विनियमित बाजारों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने सिस्टम को अपग्रेड किया है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है. हालांकि यह अमेरिका और यूरोप वैश्विक सामंजस्य प्रक्रिया का एक हिस्सा हैं. वहीं, चीन अपने स्थानीय कड़े दिशानिर्देशों का पालन कर रहा है, जिसने प्रतिस्पर्धा और उत्पाद की गुणवत्ता के लिए विनियमित बाजारों को देखने के लिए भारतीय उत्कृष्ट उद्योग बनाया है. यह भारत को 70% उत्पादकों को आयात करने में मदद करता है. वहीं, इसका शेष 30% अपने घरेलू उत्पादन के स्रोत से जुड़ा है. वैसे, इंडियन फार्मा एक्सीपीएन्ट अपने घरेलू बाजार में खपत के लिए विनियमित बाजारों और चीन के लिए अपनी दवाओं के यूरा. ेपीय और अमेरिकी स्रोतों पर बहुत अधिक निर्भर करता है. GMP मानकों और IPEC दिशानिर्देशों के अनुपालन के अलावा, भारतीय कंपनियों द्वारा लैक्टोज, हाइड्रॉक्सीप्रोपाइल मिथाइल सेलुलोज (HPMC), माइक्रो-क्रिस्टलीय सेलुलोज (MCC), polyvinylpyrrolidone (PVP), जैसे अन्य प्रमुख उत्पादकों के निर्माण के लिए निवेश की आवश्यकता है. हाल ही में, IPEC, अमेरिका, यूरोप, जापान, चीन और भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली एक संघटित संस्था ने एक्सीपीएन्ट इनफार्मेशन पैकेज (EIP) उपयोगकर्ता गाइड का संशोधित संस्करण जारी किया क्योंकि यह विश्व स्तर पर उद्योग का आदर्श बन गया है. कई उत्कृष्ट उपयोगकर्ता अब अपने प्रोसेस का उपयोग करने के बजाय अपने आपूर्तिकर्ताओं से उनके EIP के लिए पूछते हैं. भारतीय दस्तावेज उद्योग को इस दस्तावेज से लाभ होगा क्योंकि यह उन्हें वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप लाएगा. वे यह सुनिश्चित करते हुए समय पर और कुशल तरीके से जवाब दे सकते हैं कि विभिन्न ग्राहकों से विभिन्न फॉर्म भरने की तुलना में लगातार और सटीक जानकारी प्रदान की जाती है. यह प्रक्रिया उपयोगकर्ताओं और आपूर्तिकर्ताओं दोनों की सहायता करती है. मेटकर ने कहा कि गाइडलाइन तैयार करने में आईपीईसी इंडिया का प्रतिनिधित्व करने वाला एक टीम सदस्य रहा है. IPEC इंडिया अपने वैश्विक निकाय के समर्थन के साथ देश में निर्माताओं और आपूर्तिकर्ताओं के लाभ के लिए डेटा इंटीग्रिटी, एक्सपीरिएंट कंपोजिशन गाइड, GMP, क्वालिटी एग्रीमेंट और विभिन्न संबद्ध विषयों पर कई दिशानिर्देश लाता है.

13 जून से 08 जुलाई तक के त्यौहार

13.06.2020	कालाष्टमी
14.06.2020	मिथुन संक्रान्ति
17.06.2020	योगिनी एकादशी
18.06.2020	प्रदोष व्रत, मासिक कार्तिगाई
19.06.2020	मासिक शिरात्रि
20.06.2020	दर्श अमावस्या, रोहिणी व्रत
21.06.2020	आषाढ़ अमावस्या, सर्य ग्रहण, साल का सबसे बड़ा दिन
22.06.2020	चन्द्र दर्शन, गुप्त नवरात्रि प्रारम्भ
23.06.2020	जगन्नाथ रथयात्रा
24.06.2020	विनायक चतुर्थी
26.06.2020	स्कन्द षष्ठी
27.06.2020	अष्टाहिनका विधान प्रारम्भ
28.06.2020	मासिक दुर्गाष्टमी
01.07.2020	देवशयनी एकादशी, गौरी व्रत प्रारम्भ
02.07.2020	वासुदेव द्वादशी, प्रदोष व्रत, जयापार्वत व्रत प्रारम्भ
04.07.2020	चौमासी चौदस, कोकिला व्रत, पूर्णिमा उपवास
05.07.2020	व्यास पूजा, आषाढ़ पूर्णिमा, गुरू पूर्णिमा, गौरी व्रत समाप्त, चन्द्र ग्रहण, अष्टाहिनका विधान पूर्ण
06.07.2020	सावन प्रारम्भ, श्रावण सोमवार व्रत
07.07.2020	मंगला गौरी व्रत
08.07.2020	जयापार्वती व्रत समाप्त, संकष्टी चतुर्थी

Happy Birthday

D.O.B.	NAME	FIRM	MOB.	CITY	STATE
11.06.71	SHRI AMITABH PRADHAN JI	SUNCARE PHARACEUTICAL	9300039377	INDORA	MADHYA PRADESH
13.06.68	SHRI ASHOK JAIN JI	SUBHAM MEDICALS	9414263211	UDAIPUR	RAJASTHAN
15.06.85	SHRI AMIT BOMBORIA JI	PHARMEX GENERIC	9826421103	INDORA	MADHYA PRADESH
17.06.85	SHRI AMIT AHUJA JI	M.R. GLENMARK	9992017685	AMBALA	HARYANA
22.06.73	MOHD .ASIF	CHAUHAN MEDICAL	9837791848	GULAOTHI	UTTAR PRADESH
25.06.83	MOH. AJMAL KHAN	NEW DESI DAWA GHAR	9415313955	GORAKHPUR	UTTAR PRADESH
25.06.75	SHRI ASHISH KUMAR GUPTA JI	HARIOM MEDICAL AGENCIES	9935139954	GORAKHPUR	UTTAR PRADESH
25.06.81	SHRI ASHU TASH GUPTA JI	HARI KRIPA PHARMA	9935785441	LUCKNOW	UTTAR PRADESH
26.06.71	SHRI ARUN RAJANI JI	AJAT MEDICAL STORE	9370767647	GORAKHPUR	UTTAR PRADESH
26.06.59	SHRI ARJUN SINGH JI	WIDHWA AGENCY	9414444867	MADHOPUR	RAJASTHAN
01.07.67	Y.AHOK KUMAR JI	SH. SAI SHARADHA ENTERPRISES	9620325418	BIDAR	KARNATAHA
01.07.80	SHRI AMIT KUMAR GUPTA JI	OMKAR MEDICAL AGENCY	9838687074	GONDA	UTTAR PRADESH
01.07.79	SHRI AMIT ARYA JI	JIVAN JYOTI ENTERPRITES	9450438302	GORAKHPUR	UTTAR PRADESH
02.07.73	SHRI ASHOK KUMAR SHARMA JI	NATIONAL CHEMIST	9224617258	MUMBAI	MAHARASHTRA
05.07.70	SHRI AJAY PATHAK JI	PIYUSH MEDICOS	9425155191	JABALPUR	MADHYA PRADESH
07.07.81	SHRI ARVIND SHARMA JI	ARVIND MEDICAL STORE	9811602773	FARIDABAD	HARYANA
08.07.70	SHRI ASHOK KUMAR GUPTA JI	M.R. MEDICOS	9335430312	KANPUR	UTTAR PRADESH
08.07.49	SHRI DR. AVINASH VIRMANI JI	SUBHASH BROTHER	9379023907	JWALPUR	HARDWAR
09.07.69	SHRI AKHILASH SRIVASTAVA JI	SAI LADIES COLLECTION	8400078678	GORAKHPUR	UTTAR PRADESH
10.07.72	SHRI AJAY JI	GCW ENTERPRIES	9829382074	UDAIPUR	RAJASTHAN

मैडीकल दर्पण मीडिया हाऊस की तरफ से आप सभी को जन्म दिन की हार्दिक शुभकामनायें

दवा उद्योग ने ली राहत की सांस, सीमा शुल्क विभाग ने बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर पड़ी चीन की सभी खेपों को किया साफ!

दवा निर्माताओं ने राहत की सांस ली है. दरअसल, सीमा शुल्क निकासी के लिए बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर झूठ बोलने वाले चीन के सभी खेपों को सीमा शुल्क विभाग ने मंजूरी दे दी है. की स्टार्टिंग मटेरियल (KSM), ड्रग इंटरमीडिएट्स एंड एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रेडिएंट्स (APIs) और COVID संबंधित चिकित्सा उपकरणों के साथ-साथ अन्य लोगों के बीच निदान के लिए आयातित चीनी खेप (Imported Chinese consignments) शामिल हैं, जो बंद. रगाहों और हवाई अड्डों में विशेष रूप से न्हावा शेट्टी पोर्ट, मुंबई और दिल्ली हवाई अड्डों पर पिछले कुछ समय से अटके हुए थे. वहीं, सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा दिन साफ कर दिए गए हैं। बता दें कि, मंगलवार शाम से ये चीजें आगे बढ़ने लगीं हैं. इंडियन ड्रग्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (IDMA) के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, वीरानी शाह ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, "बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर आयात गतिविधियां सामान्य स्थिति में लौट आई हैं। शायद ही कोई खेप सीमा शुल्क अधिकारियों के पास पड़ी हो. हमारे सदस्यों में से किसी ने भी शिकायत नहीं की है. वहीं, अब तक सीमा शुल्क अधिकारियों से मंजूरी के लिए बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर खेपें पड़ी हैं." बता दें कि, भारत-चीन सीमा पर जारी गतिरोध के बीच चीन के मूल खेपों को रोकने के लिए देश भर में सीमा शुल्क आयुक्तों के अनौपचारिक आदेशों के बाद आयातित चीनी खेप बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर अटक गई. वहीं, भारतीय निर्यातकों को चीनी बंदरगाहों पर विलंबित लदान का सामना करना पड़ रहा है. इसे गंभीरता से लेते हुए, फार्मास्युटिकल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (Pharmeñcil) ने सरकार से आयातित केएसएम, ड्रग इंटरमीडिएट और एपीआई, COVID संबंधित चिकित्सा उपकरणों के अनुमोदन के साथ-साथ चीन से निदान अधिकारियों द्वारा न्हावा शेवा में तेजी लाने की अपील की है. Pharmeñcil के अध्यक्ष दिनेश दुआ ने कहा, "भारत के वाणिज्य मंत्रालय और ड्रग्स कंट्रोलर जनरल (DCGI) ने Pharmeñcil's की अपील के बाद इस मुद्दे पर लगातार हस्तक्षेप किया है, और इसे थ्रिलर वित्त मंत्रालय को भेजे गए हैं. वित्त मंत्रालय के पास पहुंचने के बाद आपूर्ति फिर से शुरू हो गई है. कस्टम ने खेपों को साफ करना शुरू कर दिया है, और हम उम्मीद कर रहे हैं कि चीजें जल्द ही सामान्य हो जाएंगी." 27 जून, 2020 को उद्योग निकाय ने वाणिज्य मंत्रालय, प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), वित्त मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, कैबिनेट सचिव, विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी), फार्मास्यूटिकल्स विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय को SOS भेजा था, जो चीन से आने वाले शिपमेंट क्लीयरेंस है. इसने उनसे हस्तक्षेप करने का आग्रह किया, ताकि बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर जल्द से जल्द चीनी खेपों की निकासी सुनिश्चित हो सके. बता दें कि, चीनी मूल की खेप सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा 22 जून, 2020 से ड्रग कंपनियों को निंद्राहीन रातों के निरीक्षण के लिए आयोजित की गई थी, क्योंकि वे प्रति दिन लगभग 3.5 लाख रुपये डिमर्जेज चार्ज में खर्च कर रहे थे. दवा कच्चे माल की आपूर्ति के लिए भारत चीन पर 70% निर्भर है। चीन के चौंबर ऑफ कॉमर्स के आंकड़ों के मुताबिक, 2019 में चीन ने भारत में 10.12 मिलियन टन एपीआई का निर्यात किया, जो कि सालाना 8.83 प्रतिशत था। भारत का थोक दवा आयात 2019 में 249 बिलियन रुपये के मूल्य पर पहुंच गया है. Pharmeñcil के अध्यक्ष ने कहा कि Pharmeñcil कई सदस्य कंपनियों के संकट कॉल के साथ बढ़ गया है। साथ ही एक सप्ताह से अधिक दवा उत्पादों के निर्माण में तीव्र व्यवधान आया है। बहुत महत्वपूर्ण KSM, दवा मध्यवर्ती और API को सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा उन कारणों के लिए मंजूरी नहीं दी जा रही है, जो उद्योग को बिल्कुल नहीं जानते हैं। यहां तक कि चिकित्सा उपकरणों और डायग्नॉस्टिक्स के महत्वपूर्ण उपकरणों जैसे कि इन्फ्रारेड थर्मामीटर और पल्स ऑक्सीमीटर है, जो विशेष रूप से COVID डायग्नोसिस के उद्देश्य से होते हैं. खासकर न्हावा शेवा पोर्ट, मुंबई और दिल्ली के हवाई अड्डों पर भी ग्लूकोमीटर और स्ट्रिप्स आयोजित किए जाते हैं। भारत का आत्मनिर्भर मिशन यानी "आत्म निर्भारता" अपना समय चरणबद्ध तरीके से लेगा, जिसके लिए सरकार ने फार्मा पार्क्स जैसे महान प्रोत्साहन को प्रस्तुत किया, जिसे "प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव्स (PLIs) भी कहा. इस बीच, वैश्विक COVID-19 महामारी के वर्तमान संकटपूर्ण और चुनौतीपूर्ण समय के दौरान, दवा उद्योग इस चुनौती से निपटने के लिए बढ़ गया है, और यह सुनिश्चित करना जारी रखा है कि सरकार के अनुसार देश में कहीं भी किसी भी दवा की कोई कमी नहीं है. दुआ ने कहा कि मई 2020 में निर्यात में 27% की वृद्धि हुई। 2019 में 2 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक, भारत 'फार्मेसी टू द वर्ल्ड' के साथ-साथ एक बहुत ही मानवीय, उदार देश है, जो 100 से अधिक देशों में महत्वपूर्ण COVID संबंधित दवाओं की आपूर्ति कर रहा है. वहीं, पीएमओ, वाणिज्य मंत्रालय, बाहरी मामलों के मंत्रालय और आदि के माध्यम से विश्व स्तर पर देश के लिए एक बड़ी सद्भावना अर्जित हो रही है. उन्होंने आगे कहा कि आयात हालिया व्यवधान, दवा निर्माण इकाइयां, विशेष रूप से एपीआई इकाइयां और डेंटल कंट्री की छवि को प्रभावित कर सकता है.

ARAB PHARMA MANUFACTURERS' EXPO 2020

मैडीकल दर्पण मीडिया हाऊस 3rd ARAB PHARMA MANUFACTURERS' EXPO 2020 में अपनी भागीदारी कर Expo मीडिया पाटर्नर बना है. इस Expo में 20 अरब देशों की 600 से अधिक फार्मा कम्पनियाँ भाग ले रही हैं.

(**Jointly Organized by:** • AUPAM (Arab Union of the Manufacturers of pharmaceuticals and Medical Appliances) • GPE EXPO PVT LTD) **Focused markets:** Algeria, Bahrain, Egypt, Iraq, Jordan, Kuwait, Lebanon, Libya, Mauritania, Morocco, Oman, Palestine, Qatar, Saudi Arabia, Somalia, Sudan, Syria, Tunisia, UAE, Yemen **Exhibitors Profile:** PROCESSING Machineries (Tablet / Capsule / Injectable / Ointment / Powder - Dry Syrup), PACKAGING Machineries & Materials (Blister Machines, Filling / Packing / Labeling / Capping Machines, Labels, Aluminum / PVC Foils, Caps / Closures / Rubber Stoppers, and many more), CLEANROOM & Utility Eqpts & Services (HVAC, Partitions, AHU, Dehumidifiers), WATER TREATMENT & Management Systems (CIP / SIP, Filtration / Sterilization Plants), ANALYTICAL & BIOTECH Lab Instruments, LIMS, Glassware, Lab Reagents & Consumables, Lab-ware, Spectrophotometry, Chromatography, and many more), PROJECT Consultants, TURNKEY Contractors, API Manufacturing Plants & Equipments, API, Pharma Bulk Actives, Excipients, Additives, FORMULATIONS & Contract Manufacturing, Drug REGULATORY Authorities, Trade ASSOCIATIONS & many more. **Visitors Profile:** • CEO & Top Management • Corporate Management • Drug REGULATORY Authorities v• Manufacturing / Production officers • QA, QC and Research • Pharmacists · Contract Manufacturers • Plant Management • Plant Engineering • Maintenance Engineering • Vender Development & Purchase • Compliance & Regulatory • Warehousing & Supply Chain • Equipment, Machinery Manufacture, Suppliers & Distributors • Drug Stores, API & Formulation Importers.

IPAB ने कैंसर रोधी दवा Ibrutinib की फार्मास्युटिकल्स पेटेंट पर अंतरिम रोक लगाई!

बौद्धिक संपदा अपीलीय बोर्ड (Intellectual Property Appellate Board (IPAB) ने भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा कैंसर-रोधी दवा Ibrutinib के लिए फार्मास्युटिकल्स के पेटेंट को हटाते हुए जारी किए गए एक आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है. फार्माकाइक्लिक इंक, एक सिलिकॉन वैली-आधारित बायोफार्मास्युटिकल कंपनी है, जिसका ब्रांड नाम 'इम्ब्रूविका' है। बता दें कि, इसके तहत एबवी के कुछ हिस्सों द्वारा बेचे जाने वाले इब्रुटिनिब का उपयोग वयस्कों के साथ किया जाता है, जिसमें मेंटल सेल लिम्फोमा (mantle cell lymphoma (MCL), क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया (chronic lymphocytic leukaemia (CLL)/छोटे लिम्फोसाइटिक लिंफोमा (small lymphocytic lymphoma (SLL), वाल्डेनस्ट्रॉम की मैक्रोग्लोबुलिनमिया (WM), सीमांत क्षेत्र लिम्फोमा (marginal zone lymphoma (MZL) और पुरानी बीमारी बनाम मेजबान रोग (chronic graft versus host disease (cGVHD) वयस्क शामिल हैं. 4 मार्च, 2020 को जारी एक आद. श में, पेटेंट और डिजाइन के संयुक्त नियंत्रक एनआर मीणा ने लौरस लैब्स द्वारा दायर एक पोस्ट-ग्रांट विपक्ष पर आधारित पेटेंट को रद्द कर दिया था। पेटेंट कार्यालय ने फार्माकाइक्लिक द्वारा किए गए दावों को कला में कुशल एक सामान्य व्यक्ति के लिए स्पष्ट किया है, और कहा है कि दवा में किसी भी आविष्कारशील कदम का अभाव है, जो इसे अन्य मौजूदा योगों से बेहतर बना देगा. वहीं, फार्माकाइक्लिक के अनुसार, ibrutinib एक छोटा अणु है जो प्रोटीन किनेज नामक एक एंजाइम को रोक कर काम करता है. दरअसल, यह उस दर को नियंत्रित करता है, जिस पर कुछ कोशिकाएं गुणा करती हैं. यह दावा करता है कि दवा मौजूदा कीमोथेरेपी और इम्यूनोथेरेपी समाधानों से अलग तरह से काम करती है. यह एक बार दैनिक, प्रथम श्रेणी में ब्रूटन के टायरो. सिन किनसे (BTK) अवरोधक को मौखिक रूप से प्रशासित किया गया है, और फार्मास्युटिकल्स और जानस. न बायोटेक, इंक द्वारा संयुक्त रूप से विकसित और वाणिज्यिक किया गया है. फार्माकाइक्लिक ने 2009 में पड़तनजपदपइ के लिए एक पेटेंट आवेदन दायर किया और 25 सितंबर, 2014 को एक पेटेंट प्राप्त किया. लौरस ने 24 सितंबर, 2015 को अन्य लोगों के बीच नवीनता और आविष्कारशील कदमों की कमी का हवाला देते हुए पोस्ट-ग्रांट चुनौती दी. Natco Pharma ने दिसंबर 2019 में 38,000 रु के विपरीत प्रति माह में दवा का एक सामान्य संस्करण लॉन्च किया, जिसमें इमब्रविका के लिए 4 लाख का कोर्स मौजूद था. वहीं, इसके लिए नातको ने लौरस लैब्स के साथ करार किया. 18 दिसंबर, 2019 को फार्माकाइक्लिक ने अपने पेटेंट Ibrutinib का कथित तौर पर उल्लंघन करने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष छंजबव और स्ंनतने लैब्स पर मुकदमा दायर किया। वहीं, मार्च में फार्माकाइक्लिक के पेटेंट को खारिज करने के पेटेंट कार्यालय के आदेश के आधार पर, नैटको और लौरस ने दिल्ली उच्च न्यायालय में अमेरिकी दवा निर्माता द्वारा दायर पेटेंट उल्लंघन के मुकदमे को खारिज करने की मांग की. फार्माकाइक्लिक ने कहा कि यह अगले दो सप्ताह के भीतर आईपीएबी के समक्ष अपील दायर करेगा और उसी आधार पर स्थगन के लिए कहा जाएगा। उच्च न्यायालय ने यह कहते हुए एक सशर्त आदेश पारित किया कि अगर आईपीएबी सुनवाई की अगली तारीख तक एक अंतरिम स्थगन आदेश पारित नहीं करता है, तो फिर से पुनर्जीवित किए जाने की स्वतंत्रता के साथ मुकदमा खारिज कर दिया जाएगा. आईपीएबी कोविड -19 के प्रकोप के कारण केवल जरूरी मामले उठा रहा था। उसने 26 मई, 2020 से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपने कामकाज को फिर से शुरू किया और 12 जून, 2020 को इस मामले को उठाया। वहीं, आईपीएबी ने स्टे आर्डर को पारित कर दिया। पेटेंट और डिजाइन के संयुक्त नियंत्रक के खिलाफ आदेश "याचिकाकर्ता (फार्माकाइक्लिक) के लिए अपूरणीय क्षति" की आशंका पर और 9 जुलाई, 2020 को अपील की अंतिम तिथि निर्धारित की. वहीं, इसने फार्मास्युटिकल्स के मुकदमे को दिल्ली उच्च न्यायालय में खारिज होने से रोक दिया. IPAB का निर्णय इसके अध्यक्ष (सेवानिवृत्त) न्यायमूर्ति मनमोहन सिंह और बोर्ड के एकमात्र तकनीकी सदस्य डॉ. ओंकार नाथ सिंह द्वारा दिया गया था. IPAB ने अपीलकर्ताओं ने यह तर्क देते हुए कहा कि (i) दिल्ली उच्च न्यायालय के मामले को खारिज कर दिया जाएगा। (ii) पेटेंट कार्यालय ने पक्षकारों द्वारा दायर अतिरिक्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए हैं. 20 नवंबर, 2019 के आदेश पर उच्च न्यायालय द्वारा निर्देश दिया गया था। और (iii) पेटेंट कार्यालय ने मन के आवेदन के बिना स्पष्टता पर निर्णय लिया. वर्तमान मामले में बोर्ड ने पेटेंट कार्यालय के आदेश के खिलाफ आवेदक के आरोपों के आधार पर केवल अनिवार्य रूप से एक स्टे आर्डर देने के पक्ष में फैसला किया, क्योंकि सुनवाई के दिन इसकी ओर से कोई प्रतिनिधित्व नहीं किया गया था. पेटेंट के विशेषज्ञों ने कहा कि इसने पेटेंट कंपनियों के पेटेंट कार्यालय को समान आधार पर अंतरिम ठहराव के लिए IPAB से संपर्क करने के लिए जेनरिक कंपनियों के लिए दरवाजे खोल दिए हैं.

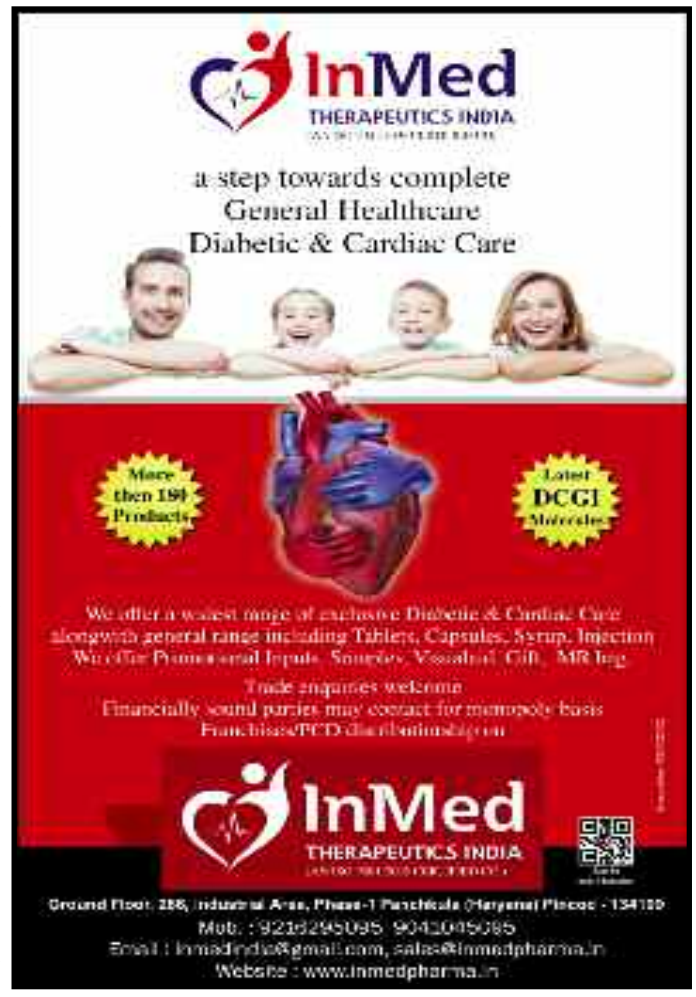

कोरोना वारियर्स के रूप में अहम भूमिका निभाने पर जयराम को बेस्ट सीएम अवार्ड

(मुख्यमंत्री ने अमित सिंगला सोशल वेलफेयर सोसाइटी की सराहना की)

नालागढ़:- एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया विश्वस्तरीय व अमित सिंगला सोशल वेलफेयर सोसाइटी बीबीएन उत्तर भारत के हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में सामाजिक गतिविधियों में भूमिका अदा करने के रूप में जानी जाती है. गत दिवस एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया व अमित सिंगला सोशल वेलफेयर सोसाइटी बीबीएन की ओर से अमित सिंगला वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष एवं एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ

इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुमित सिंगला ने प्रदेश सचिवालय शिमला में मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को कोरोना वारियर्स के रूप में अहम भूमिका अदा करने के लिए बेस्ट सीएम अवार्ड से नवाजा. इस मौके पर मुख्यमंत्री ने अमित सिंगला सोशल वेलफेयर सोसाइटी की सराहना करते हुए कहा कि यह सोसाइटी बेहतरीन कार्य कर रही है. सोसाइटी की उपलब्धियों की मैगजीन केयर फॉर अस का भी मुख्यमंत्री ने पिछले वर्ष विमोचन किया था. मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना के दौरान प्रदेश की जिन संस्थाओं ने अपनी अहम भूमिका निभाकर सरकार को सहयोग किया है सरकार उनकी ऋणी है. उन्होंने दोहराया कि कोविड-19 के दौरान सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर इन संस्थाओं ने सहयोग किया जिसके परिणाम स्वरूप प्रदेश में कोरोना काफी नियंत्रित रहा. अमित सिंगला वेलफेयर सोसाइटी सामाजिक गतिविधियों जैसे रक्तदान कैंप लगाने, प्रोटोकॉल के तहत लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग बारे जागरूक करने, निशुल्क मास्क व सैनिटाइजर वितरण करने, मुफ्त का लंगर लगाने, समय-समय पर पौधारोपण, रक्तदान शिविर के कार्यक्रम आयोजित करने के रूप में जानी जाती है. यही नहीं सोसाइटी का नाम पूरे बीबीएन में 20 हजार पौधे लगा चुके हैं, वहीं पंजाब हरियाणा, चंदीगढ़ में करीब पचास हजार पौधे लगा चुकी है. इस मौके पर एन्टी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुमित सिंगला ने कहा कि संस्था ने प्रदेश के मुख्यमंत्री की कार्यप्रणाली सूझबूझ लोगों से तालमेल सहित अन्य उपलब्धियों के बारे में उन्हें नवाजा है. - **हंसराज मेहता, मो॰ 09814132529 (इंचार्ज), पटियाला, पंजाब**

ब्रजेश कुमार गर्ग स्वामी की ओर से ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा प्रकाशित, ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा मुद्रित तथा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एण्ड पैकिंग लिमिटेड नोएडा, गौतम बुद्ध नगर में मुद्रित एवं बी.एन.मैडीकल कॉम्प्लैक्स, बुलन्दशहर से प्रकाशित सम्पादक- ब्रजेश कुमार गर्ग.